मेडिकल बंद

संचालक बोले- फर्जी पर्चों के आधार पर नशीली दवाओं की सप्लाई हो रही

ऑनलाइन दवा बिक्री विरोध में सभी मेडिकल स्टोर्स बंद

नवभारत, बालाघाट। बालाघाट जिले में शुक्रवार को ऑनलाइन दवा बिक्री (ई-फार्मेसी) के विरोध में दवा व्यापारियों ने अपनी दुकानें बंद रखीं। बालाघाट मेडिकल एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन के आह्वान पर 24 घंटे के इस बंद के दौरान जिले की सभी 1300 दवा दुकानें पूरी तरह बंद रहीं, जिससे व्यापारिक गतिविधियां ठप रहीं।

केमिस्टों का आरोप है कि केंद्र सरकार ई-फार्मेसी को बढ़ावा देकर जनता की सेहत के साथ खिलवाड़ कर रही है। एसोसिएशन के उपाध्यक्ष प्रियंक वर्मा ने कहा कि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म बिना किसी सही जांच-पड़ताल के दवाएं बेच रहे हैं।

एक ही पर्ची पर बार-बार दवाइयां देना और फर्जी पर्चों के आधार पर नशीली दवाओं की सप्लाई करना समाज के लिए गंभीर खतरा है। केमिस्टों ने धरना देकर प्रशासनिक अधिकारी के माध्यम से प्रधानमंत्री को ज्ञापन भेजा और ई-फार्मेसी पर तुरंत रोक लगाने की मांग की।

दवा विक्रेताओं का कहना है कि कोरोना काल में ऑनलाइन दवा बिक्री की छूट दी गई थी, जिसे अब बंद कर देना चाहिए। ऑल इंडिया ऑर्गनाइजेशन ऑफ केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट लंबे समय से इसके खिलाफ आवाज उठा रहा है, लेकिन सरकार की ओर से कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए। इससे न केवल केमिस्टों के व्यापार पर असर पड़ रहा है, बल्कि सरकारी नियमों का भी उल्लंघन हो रहा है।

हड़ताल के दौरान मरीजों को परेशानी न हो, इसके लिए प्रशासन ने पुख्ता इंतजाम किए थे। खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग के अनुसार, जिला अस्पताल, सिविल अस्पताल, संजीवनी क्लीनिक और जन औषधि केंद्रों पर दवाओं का पर्याप्त स्टॉक रखा गया था।आपातकालीन स्थिति के लिए कुछ दवा दुकानदारों के नंबर भी जारी किए गए थे। विभाग का दावा है कि बंद के दौरान दवाओं की आपूर्ति को लेकर जिले में कोई बड़ी परेशानी सामने नहीं आई।

सड़क के भीतर धंस गया डंपर, ड्राइवर ने कूदकर बचाई जान

जबलपुर, नवभारत। शहर में अमृत जल 2 प्रोजेक्ट के तहत बिछाई गई पाइप लाइन के कार्य में हर दर्जे की लापरवाही बरती गई है। बीच शहर के अतिव्यस्ततम मार्ग रेलवे पुल नंबर 1 से कांचघर रोड पूरी तरह बर्बाद हो चुकी है इसका कारण पाइप लाइन बिछाने के बाद सही फिलिंग नहीं होने से गड्ढे में वाहनों के धंसने का सिलसिला जारी है। इसी क्रम में सोमवार-मंगलवार की दरमियानी रात एक डम्पर बीमा अस्पताल के समीप धंस गया जिससे लोगों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ा लोगों ने शिकायत में बताया है कि पाइपलाइन बिछाने के बाद सड़क पर मिट्टी तो डाल दी गई थी, लेकिन उसे मजबूती से तैयार नहीं किया गया। वही वहां से गुजर रहा भारी डंपर जैसे ही उस हिस्से पर पहुंचा, सड़क दबाव नहीं झेल सकी और डंपर का एक हिस्सा सड़क के भीतर फँस गया। हादसे के दौरान चालक समय रहते डंपर से उतरकर बाहर निकल गया, जिससे कोई जनहानि नहीं हुई।

एयर एम्बुलेंस से मुंबई भेजे गए मासूम अयांश की सफल सर्जरी

नारायण ह्रदयालय में हुआ ऑपरेशन, अब स्वास्थ्य लाभ कर रहा है अयांश

नवभारत, बालाघाट। बालाघाट जिले के चार माह के मासूम अयांश मसराम के लिए राहत भरी खबर सामने आई है। गंभीर ह्रदय रोग से पीड़ित अयांश को मध्यप्रदेश शासन की पीएम श्री एयर एम्बुलेंस सेवा के माध्यम से उपचार के लिए मुंबई भेजा गया था, जहां मुंबई स्थित नारायण ह्रदयालय अस्पताल में सोमवार 18 मई को उसकी सफल ह्रदय सर्जरी कर दी गई। वर्तमान में अयांश डॉक्टरों की निगरानी में स्वास्थ्य लाभ कर रहा है।

गौरतलब है कि कटंगी विकासखंड के ग्राम देवरी बुजुर्ग निवासी अयांश मसराम को गंभीर ह्रदय बीमारी होने पर राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत जिला चिकित्सालय बालाघाट में आयोजित विशेष स्वास्थ्य शिविर में चिन्हित किया गया था। विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा तत्काल सर्जरी की आवश्यकता बताए जाने पर जिला प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की पहल पर संचालित पीएम श्री एयर एम्बुलेंस योजना के तहत उसे 14 मई को एयरलिफ्ट कर मुंबई भेजा था।

अयांश का उपचार आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत पूरी तरह निःशुल्क किया जा रहा है। मुंबई के नारायण ह्रदयालय अस्पताल में विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने सोमवार को सफल ऑपरेशन किया। सर्जरी सफल होने की सूचना मिलते ही अयांश के परिजनों ने राहत की सांस ली और मध्यप्रदेश शासन तथा बालाघाट जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

परिजनों ने कहा कि आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण इतने बड़े अस्पताल में इलाज कराना उनके लिए संभव नहीं था, लेकिन शासन की संवेदनशील योजनाओं और प्रशासन की तत्परता से उनके बच्चे को नया जीवन मिला है। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव, जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग को धन्यवाद देते हुए कहा कि यह सहायता उनके परिवार के लिए किसी वरदान से कम नहीं है।

जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि अयांश की स्थिति अब पहले से बेहतर है और चिकित्सकों की निगरानी में उसका स्वास्थ्य तेजी से सुधर रहा है। यह पूरा मामला शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं, स्वास्थ्य सेवाओं की संवेदनशीलता और प्रशासनिक तत्परता का प्रेरणादायक उदाहरण बन गया है।

आईटीआई बुढ़ी में कानूनी जागरूकता शिविर का आयोजन

नवभारत, बालाघाट। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बालाघाट द्वारा श्रीमान प्राणेष कुमार प्राण प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीष/अध्यक्ष के कुषल मार्गदर्षन में शासकीय आई.टी.आई. बुढ़ी, बालाघाट में विधिक जागरूकता षिविर का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में श्री सतीष शर्मा न्यायाधीष/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बालाघाट द्वारा उपस्थित छात्र-छात्राओं को विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम एवं नालसा(बच्चों को मैत्रिपूर्ण विधिक सेवाएँ एवं उनका संरक्षण योजना) 2015 के विभिन्न प्रावधानों के बारें उपस्थित छात्र छात्राओं को अवगत कराया गया।

षिविर में उपस्थित जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री जीतेन्द्र मोहन धुर्वे द्वारा साइबर अपराधों से बचाव के बारे में विस्तार से जानकारी दी साथ ही भारतीय न्याय संहिता, लोकोपयोगी सेवाओं की लोक अदालत एवं मोटरयान अधिनियम के प्रावधानों से भी छात्र-छात्राओं को अवगत कराया। साथ ही श्री धुर्वे ने गुड टच बेड टच एवं नषे के दुष्परिणामों के संबंध में जानकारी प्रदान की।

आईएसएससी-2026 में एआईआर-1 हासिल कर मयंक मात्रे बने ग्रैंड विनर

नासा एजुकेशनल टूर (यूएसए) के लिए हुआ चयन, कलेक्टर ने दी शुभकामना

नवभारत, बालाघाट। बालाघाट जिले के वारासिवनी स्थित सांदीपनि विद्यालय के प्रतिभाशाली छात्र मयंक मात्रे ने अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतिष्ठित प्रतियोगिता ढ्ढस्स्ष्ट 2026 (इंटरनेशनल स्पेस साइंस कॉम्पिटिशन) में ऑल इंडिया रैंक-1 प्राप्त कर जिले एवं प्रदेश का नाम गौरवान्वित किया है। कक्षा 12वीं गणित संकाय (अंग्रेजी माध्यम) के छात्र मयंक ने प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए 'ग्रैंड विनर' का खिताब अपने नाम किया। उनकी इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर विद्यालय परिवार, अभिभावकों एवं पूरे जिले में हर्ष का माहौल है।

कलेक्टर श्री मृणाल मीना ने मयंक की इस उपलब्धि पर शुभकामना ? प्रेषित की है। इसके साथ ही एसडीएम वारासिवनी कार्तिकेय जायसवाल, लोक शिक्षण संचालनालय भोपाल के संचालक डॉ डी.एस. कुशवाह, सहायक संचालक डॉ रंजन शर्मा, सुरेश मिश्रा, जिला शिक्षा अधिकारी अश्विनी उपाध्याय सहित पीपुल्स ग्रुप सांदीपनि सेल भोपाल ने भी छात्र एवं विद्यालय परिवार को शुभकामनाएं प्रेषित कीं हैं।

संस्था के प्राचार्य हुमराज पटले ने बताया कि यह प्रतियोगिता त्रश्4त्रह्वह्ल्ह्व द्वारा राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आयोजित की गई थी, जिसमें देशभर के स्कूल एवं कॉलेज के हजारों विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता का प्रथम चरण 08 अप्रैल 2026 को आयोजित हुआ था, जिसमें राष्ट्रीय स्तर पर केवल 17 छात्रों का चयन किया गया, जिसमें मयंक मात्रे ने ऑल? इंडिया रैंक - 05 स्थान प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया।

प्रतियोगिता का अंतिम चरण 15 मई 2026 को लाइव ऑनलाइन टेस्ट के माध्यम से आयोजित किया गया। स्क्रीन शेयरिंग आधारित इस परीक्षा में मयंक मात्रे ने असाधारण प्रदर्शन करते हुए ऑल इंडिया रैंक-1 हासिल कर 'ग्रैंड विनर' बनने का गौरव प्राप्त किया। वहीं विद्यालय के छात्र प्रियांशु चौधरी, अश्मि बिसेन एवं उज्जवल बारमाटे ने भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए ढ्ढस्स्ष्ट 2026 में बेस्ट परफॉर्मर का स्थान प्राप्त किया।

इस शानदार उपलब्धि के तहत मयंक मात्रे का चयन फ्री नासा एजुकेशनल टूर (यूएसए) के लिए किया गया है, जो संभावित रूप से सितंबर 2026 में आयोजित होगा। इस शैक्षणिक भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों को अमेरिका स्थित नासा कैनेडी स्?पेस सेंटर, ओरलेण ?डों इंटरनेशनल युनिवर्सिटी कैम्?पस, थीम पार्क एवं डिजनी स्प्रिंग ?स का भ्रमण कराया जाएगा। साथ ही नासा के उपग्रह अनुसंधान केंद्र में उपग्रहों के निर्माण, संचालन, विकास एवं असेंबलिंग प्रक्रिया का प्रत्यक्ष अवलोकन करने का अवसर मिलेगा। विद्यार्थियों को वैज्ञानिक नवाचारों एवं आधुनिक तकनीकी प्रक्रियाओं से भी रूबरू कराया जाएगा। भ्रमण से पूर्व छात्र की पासपोर्ट एवं वीजा प्रक्रिया भी पूर्ण कराई जाएगी।

लालबर्रा में बच्चों के स्वास्थ्य व पोषण के लिए विशेष शिविर का हुआ आयोजन

नवभारत, बालाघाट। परियोजना लालबर्रा के सेक्टर नेत्रा अंतर्गत परियोजना अधिकारी श्रीमती शिवहरे के निर्देशन में ग्राम पंचायत पिपरिया बड़ में विशेष स्वास्थ्य एवं पोषण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान पिपरिया बड़ एवं बड़गांव ग्राम के सेम, मेम एवं एसयूडब्ल्यू श्रेणी के कुल 37 बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण आरबीएस टीम द्वारा किया गया। स्वास्थ्य जांच के उपरांत बच्चों को आवश्यक दवाइयों का वितरण किया गया, जिसमें आयरन सिरप, मल्टी विटामिन, प्रोटीन सिरप, एल्बेंडाजोल एवं अमॉक्सिसिलिन सहित अन्य औषधियां शामिल रहीं।

कार्यक्रम में जनपद कार्यालय लालबर्रा के स्टॉफ श्री शिववंशी द्वारा प्राप्त सहयोग राशि से घर पर तैयार किए जाने वाले 'सेरेलक' का प्रदर्शन भी किया गया। आदिवासी स्व सहायता समूह पिपरिया बड़ एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के सहयोग से सेरेलक तैयार करने की विधि बताई गई तथा तैयार पैकेटों का वितरण बच्चों को किया गया। यह वितरण ग्राम पंचायत की सरपंच श्रीमती सुशीला गंगाराम पटले द्वारा किया गया।

कार्यक्रम को सफल बनाने में आरबीएस टीम की डॉ. तृप्ति पाठक, श्री बो पचे, शिवानी मर्शकोले सहित पिपरिया एवं बड़गांव की समस्त आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं का विशेष योगदान रहा।

15 वार्डो की की समस्याओं के समाधान में कारगर साबित हो रहा जनता दरबार

बरसात में जलभराव न हो सके, इस विषय में नपा ने अधिकारियों के साथ बनायी गयी कार्ययोजना

नवभारत, वारासिवनी। आज, अनवरत चौथे सप्ताह मे भी नगर पालिका परिषद के जनता दरबार मे नागरिको ने अपनी व वार्डो की समस्याओ के समाधान के लिये तत्परता दिखायी। पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल व नपा अध्यक्ष श्रीमती सरिता मनोज दांदरे ने अधिकारीयो की टीम के साथ जनमानस की विभिन्न तरह की समस्याओ के समाधान के संदर्भ मे गंभीरता दिखाकर त्वरित मे समाधान की दिशा मे कारगर प्रयास भी किया।

जनता दरबार मे मिश्रा नगर वार्ड 1 के प्रबुद्ध निवासीयो ने शिकायत पत्र मे कहा की गली नं एक की लगभग 150 मीटर कच्ची सडक को पक्की सडक मे परिवर्तीत कराने का कार्य प्राथमिकता के साथ होना चाहिये। इसी तरह मवेशी बाजार के ठेकेदार की पूरी टीम को बुलवाकर अधिक टेक्स राशी लेने की शिकायत पर हिदायत देकर उनकी समस्याओ की ओर भी ध्यान दिया गया।

इसी तरह वार्ड सात लालबर्रा रोड के निवासी विजय सिंह बिसेन, विक्की दलवानी,जगदीश सावलानी, संजय सहजवानी आदि ने शिकायत मे बताया की उनके वार्ड मे बरसात का पानी 12 फीट के नाले से होकर आगे की ओर निकल जाता था। किंतू अब यह नाला ही गुम हो गया है। अगर बरसात के पूर्व इस समस्या का समाधान नही किया गया तो जलभराव की स्थिती का पुन सामना करना पडेगा। और वार्डो के घरो के भीतर पानी का फिर से आने का सिलसिला शुरू हो जायेगा। इस समस्या के समाधान के लिये नाले की तलाशी के विषय मे नपा के रिकार्ड व राजस्व विभाग तक जाकर समाधान के कदम भी बढा दिये गये है।

आज सबसे ज्यादा शिकायते बरसात को देखते हुये वार्डो मे नाली की सफाई और नाली निर्माण के विषय मे आयी। जिसमे विजय सिंह बिसेन ने बताया की एमपीआरडीसी की बनी हुयी नाली उनके घर के पास से हनीकुंभ की तरह है। यह नाली क्वालिटी की नही होने के कारण सीपेज होने से उनके घर के दोनो कुंओ का पानी जंहा खराब हो गया है। वही घर मे शीत का प्रकोप भी बना रहता है। सुत्रो के अनुसार नगर मे अनेको जगह बनी एमपीआरडीसी की नाली मे इसी तरह की समस्या आने पर नपा परिषद ने इस विषय को बेहद गंभीरता से लिया है।

जनता दरबार मे आज सागर राठौर सहित अनेको निवासीयो ने अपने घरो के उपर से जाने वाले बिजली के तार व खंबे शिफटींग करने की मांग भी की। जिस पर तत्काल विधूत विभाग के संबधित ठेकेदार को बुलाने के निर्देश भी जारी किये गये। आज जनता दरबार मे मुख्य नपा अधिकारी सूर्यप्रकाश उके, उपयंत्री सुमीत मोटवानी, वंशिका चौहान आदि के साथ पार्षदो मे सर्वश्री संदीप मिश्रा, धर्मू जोशी, मोनू लिमजे, प्रवीण डोंगरे, प्रतिनिधी समीर बिसेन, मनोज दांदरे आदि सक्रिय भी नजर आये।

विकास के नाम पर एकजुटता या स्वार्थ की राजनीति

बालाघाट में रेत ठेके से उठे सवाल, जनता पूछ रही विकास हुआ या हिस्सेदारी

नवभारत, बालाघाट। जिले के विकास के नाम पर चुनाव के बाद जिस प्रकार 'एकजुटता' का प्रदर्शन किया गया, अब वही राजनीतिक गलियारों में सवालों के घेरे में आ गया है। सांसद से लेकर विधायक तक अनेक मंचों पर एक साथ दिखाई दिए, विकास के बड़े-बड़े दावे किए गए, जिले को नई दिशा देने की बातें हुईं। कई मौकों पर जिले के छह विधायक एक साथ बैठकर 'बालाघाट हित' की रणनीति बनाते भी नजर आए।

लेकिन अब आम जनता के बीच चर्चा इस बात की है कि यह एकजुटता वास्तव में जिले के विकास के लिए थी या फिर खुद के आर्थिक हितों की पूर्ति के लिए?

सूत्रों और राजनीतिक चर्चाओं के अनुसार, जिले में रेत ठेके के बाद जिस प्रकार सत्ता और विपक्ष के नेताओं की चुप्पी देखने को मिली, उसने कई सवाल खड़े कर दिए। बताया जा रहा है कि रेत ठेकेदार द्वारा एक पूर्व विधायक के फार्म हाउस में आयोजित रात्रिभोज में जिले के छह विधायक, सांसद, कुछ पूर्व विधायक और उनके प्रतिनिधि शामिल हुए। राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा जोरों पर रही कि वहां 'विकास' नहीं बल्कि 'बराबरी की हिस्सेदारी' पर सहमति बनी और उसी के बाद रेत ठेके को लेकर विरोध की आवाजें लगभग शांत हो गईं।

जनता के बीच यह भी चर्चा रही कि यदि रेत ठेका वास्तव में जनविरोधी था, तो फिर जिले के जनप्रतिनिधियों ने खुलकर सड़क पर उतरकर विरोध क्यों नहीं किया? कहीं-कहीं विरोध हुआ भी तो वह केवल औपचारिकता तक सीमित दिखाई दिया। दूसरी ओर ठेकेदार का कारोबार लगातार फलता-फूलता रहा और अवैध वसूली तथा मनमानी के आरोप भी लगातार लगते रहे।

इस पूरे मामले में बालाघाट विधायक के पूर्व सांसद श्चड्डह्लद्ब द्वारा भी कई मंचों से नाराजगी जताई गई। उन्होंने यहां तक आरोप लगाए कि 'बेटा शांतनु ठेकेदार/माफिया पाठक के घर पैसे लेने जाता है, शर्म आनी चाहिए।' इस बयान के बाद राजनीतिक माहौल और गरमा गया, लेकिन उसके बावजूद कथित वसूली और सांठगांठ के आरोप थमते नजर नहीं आए।

वहीं दूसरी ओर नगर पालिका को लेकर भी लगातार सवाल उठते रहे हैं। जनचर्चा यह भी है कि बालाघाट विधायक पूर्व में नगर पालिका अध्यक्ष रह चुकी हैं और नगर पालिका में किस प्रकार काम होते हैं तथा भ्रष्टाचार की कार्यप्रणाली क्या होती है, इसकी उन्हें पूरी जानकारी है।

आरोप यह भी लगते रहे हैं कि अपने ढाई साल के कार्यकाल में उन्होंने नगर पालिका के मामलों में अपने विधायक प्रतिनिधियों के माध्यम से विरोध का माहौल बनाया, लेकिन कुछ समय बाद वही मुद्दे शांत हो गए। इससे आम लोगों के बीच यह धारणा मजबूत हुई कि विरोध केवल दिखावे के लिए किया जाता है और बाद में समझौते की राजनीति हावी हो जाती है।

हालांकि जिले के कुछ जागरूक नेताओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों द्वारा लगातार विरोध दर्ज कराया गया। वहीं ठेका लेने वाले लोगों के बीच बढ़ते मनमुटाव और आपसी संघर्ष के चलते आखिरकार ठेकेदार को ठेका सरेंडर करना पड़ा।

लेकिन अब जनता सवाल पूछ रही है कि यदि विरोध पहले दिन से ईमानदारी से होता, तो क्या जिले की नदियों का यह हाल होता? क्या रेत माफियाओं का इतना बोलबाला होता? और क्या विकास के नाम पर नेताओं की यह 'एकजुटता' केवल राजनीतिक और आर्थिक समझौते का माध्यम बनकर रह गई?

बालाघाट की राजनीति में अब यह चर्चा आम हो चुकी है कि जिले के विकास की तस्वीर से ज्यादा नेताओं की 'मिलीभगत' की तस्वीर मजबूत दिखाई दे रही है। जनता सब देख रही है, समझ रही है और आने वाले समय में जवाब भी मांग सकती है।

दवा विक्रेताओं की हड़ताल से मरीज परेशान, ग्रामीण अंचल तक असर

> कटंगी-तिरोड़ी में मेडिकल दुकानें रहीं बंद, ऑनलाइन दवा बिक्री के विरोध में सौंपा ज्ञापन

नवभारत कटंगी 20 मई। ऑनलाइन दवा बिक्री और उससे जुड़ी व्यवस्थाओं के विरोध में बुधवार को कटंगी और तिरोड़ी क्षेत्र में दवा विक्रेताओं की एक दिवसीय सांकेतिक हड़ताल का व्यापक असर देखने को मिला।

नगर से लेकर ग्रामीण अंचलों तक अधिकांश मेडिकल स्टोर दिनभर बंद रहे, जिससे मरीजों और उनके परिजनों को दवाओं के लिए परेशान होना पड़ा। कई मरीज आवश्यक दवाओं के लिए इधर-उधर भटकते नजर आए। यह हड़ताल ऑल इंडिया ऑर्गेनाइजेशन ऑफ केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स तथा मध्यप्रदेश राज्य केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट्स एसोसिएशन के आह्वान पर आयोजित की गई। दवा विक्रेताओं ने ऑनलाइन दवा बिक्री के विरोध में यह सांकेतिक बंद रखा।

कारोबार से जुड़ी समस्याओं से कराया अवगत

कटंगी एवं तिरोड़ी के दवा विक्रेताओं ने शाम करीब 4 बजे प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन प्रशासनिक अधिकारियों को सौंपा। तिरोड़ी में तहसीलदार गीता राहंगडाले तथा कटंगी में नायब तहसीलदार पीएल सांडिया को ज्ञापन देकर दवा कारोबार से जुड़ी समस्याओं और मांगों से अवगत कराया गया।

ऑनलाइन दवा बिक्री पर जताई चिंता

दवा विक्रेताओं ने ज्ञापन में कहा कि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से दवाओं की बिक्री लगातार बढ़ रही है, जबकि ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक एक्ट 1940 एवं नियम 1945 में इसकी स्पष्ट वैधानिक व्यवस्था नहीं है। उनका आरोप है कि कई कंपनियां फर्जी ई-प्रिस्क्रिप्शन, बिना चिकित्सकीय सलाह दवा उपलब्ध कराने और घर-घर डिलीवरी जैसी व्यवस्थाओं का सहारा लेकर नियमों की अनदेखी कर रही हैं।

जीएसआर 220 (ई) का दुरुपयोग किया जा रहा

संघ का कहना है कि वर्ष 2018 में जारी जीएसआर 817 (ई) और कोविड काल में लागू जीएसआर 220 (ई) का वर्तमान परिस्थितियों में दुरुपयोग किया जा रहा है, जिससे पारंपरिक दवा व्यवसाय और मरीजों की सुरक्षा दोनों प्रभावित हो रही हैं।

मरीज दवा के लिए भटकते रहे

मेडिकल दुकानों की बंदी का असर सीधे मरीजों पर पड़ा। कई मरीज सुबह से दवाओं की तलाश में बाजार पहुंचे, लेकिन दुकानें बंद मिलने से उन्हें निराश लौटना पड़ा। विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों से आए मरीजों और बुजुर्गों को अधिक कठिनाई का सामना करना पड़ा। मरीजों का कहना था कि अचानक बंदी की जानकारी नहीं होने से उन्हें परेशानी झेलनी पड़ी।

कटंगी के वार्ड क्रमांक 4 में एक महीने से पेयजल संकट

> टैंकर भी नहीं पहुंच रहे समय पर पार्षद ने सीएमओ को समस्या से अवगत कराया

नवभारत कटंगी 20 मई। नगर के वार्ड क्रमांक 4 में पिछले एक महीने से भीषण गर्मी के बीच पेयजल आपूर्ति ठप होने से ग्रामीणों को भारी किल्लत का सामना करना पड़ रहा है। नलों में पानी नहीं आ रहा और वैकल्पिक व्यवस्था के तौर पर भेजे जा रहे टैंकर भी अनियमित हैं।

वार्ड पार्षद कपिल मेश्राम ने इस समस्या से नगर पालिका के मुख्य कार्यपालन अधिकारी राधेश्याम चौधरी को अवगत कराया। इस पर अधिकारी ने भू-जल स्तर कम होने का कारण बताया। सीएमओ के अनुसार वार्ड में पानी के टैंकरों से सप्लाई की जा रही है।

महिलाएं और बच्चे दूर-दूर से पानी लाने को मजबूर- स्थानीय रहवासियों का आरोप है कि टैंकर भी निश्चित समय पर नहीं आ रहा है। कभी-कभी एक दिन छोड़कर टैंकर आता है, जिससे पेयजल की भारी समस्या उत्पन्न हो रही है। गर्मी के चलते महिलाएं और बच्चे दूर-दूर से पानी लाने को मजबूर हैं।

सभापति ने उठाए सवाल- नगर परिषद की जल प्रदाय विभाग की सभापति अर्पणा राऊत ने बताया कि लंबे समय से पेयजल की समस्या बनी हुई है, किंतु नगर परिषद इस समस्या के निराकरण के लिए कोई सार्थक प्रयास नहीं कर रही है। स्थायी समाधान के बजाय केवल टैंकरों पर निर्भरता से जनता परेशान है।

पेयजल आपूर्ति तत्काल बहाल करने की मांग- वार्डवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि पेयजल आपूर्ति तत्काल बहाल की जाए और टैंकरों की समय-सारणी तय कर नियमित सप्लाई सुनिश्चित की जाए। साथ ही स्थायी जल स्रोत विकसित करने के लिए ठोस योजना बनाई जाए, ताकि गर्मी में हर साल होने वाली परेशानी से छुटकारा मिल सके।

न्यायालय अपर कलेक्टर एवं विवाह अधिकारी बालाघाट म.प्र

क्रं. 1127/कले/वि.अधि/2026 **आम सूचना** बालाघाट दिनांक 12/02/2026

विशेष विवाह अधिनियम 1954 की धारा के अन्तर्गत विशेष विवाह / अंर्तजातीय विवाह हेतू आवेदकगण आवेदिका निशा गेडाम उम्र 31 वर्ष पिता श्री परमानन्द गेडाम जाति महार निवासी वार्ड नं. 11 भीम चौक थानेगांव पोस्ट थानेगांव थाना व तहसील वारासिवनी जिला बालाघाट एवं सोनू राजू सायवानकर उम्र 33 वर्ष पिता राजू सायवानकार जाति लोहार निवासी न्यू पोलिस लाईन कामठी थाना व तहसील कामठी जिला नागपुर महाराष्ट्र ने उपस्थित होकर आवेदन प्रस्तुत किया है, जिसमें विशेष विवाह हेतू सुनवाई दिनांक 22/06/2026 नियत कि गई हैं।

अत: उक्त विवाह के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति है, तो वह सुनवाई दिनांक 22/06/2026 तक न्यायालय अपर कलेक्टर एवं विशेष विवाह अधिकारी बालाघाट के समक्ष न्यायालयीन समय प्रात: 10 :00 बजे उपस्थित होकर आपत्ति लिखित रूप से प्रस्तुत करें। नियत समयावधि के पश्चात प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

अपर कलेक्टर
एवं विवाह अधिकारी
जिला बालाघाट म.प्र.